कार्यप्रणाली पर सवाल | ब्यौहारी में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल, अनुमति और दस्तावेजों का हिसाब मांग रहे नागरिक

कैसे खुली पैथालॉजी, सील टूटी या सिस्टम की चुप्पी?

नवभारत, ब्यौहारी। अवैध संचालन और नियमों के उल्लंघन के आरोप में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिन पैथालॉजी सेंटरों पर सील की कार्रवाई की गई थी, वे अब दोबारा संचालित होते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इन सेंटरों को दोबारा खोलने की अनुमति किस अधिकारी ने दी और किन शर्तों के आधार पर सील हटाई गई। मामला सामने आने के बाद ब्यौहारी के स्वास्थ्य महकमे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने जब संबंधित पैथालॉजी सेंटरों को नियमों का उल्लंघन मानते हुए सील किया था, तब कार्रवाई का आधार क्या था और बाद में परिस्थितियों में ऐसा क्या बदलाव आया कि इन्हें फिर से संचालन की अनुमति मिल गई? क्या संचालकों ने आवश्यक पंजीयन, तकनीकी योग्यता और अन्य दस्तावेज विभाग के समक्ष प्रस्तुत किए, यदि अनुमति विधिवत दी गई है तो उसका आदेश, निरीक्षण रिपोर्ट और संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक क्यों नहीं किए जा रहे हैं?

लेन-देन की चर्चाओं ने बढ़ाया संदेह

क्षेत्र में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि सील किए गए कुछ पैथालॉजी सेंटरों के संचालकों से कथित रूप से 50-50 हजार रुपये लेकर दोबारा संचालन की मौन सहमति दिए जाने का मामला है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बावजूद इसके, ऐसी चर्चाओं ने स्वास्थ्य विभाग की भूमिका को सवालों के घेरे में ला दिया है। यदि आरोप निराधार हैं तो विभाग को स्थिति स्पष्ट करते हुए बताना चाहिए कि संबंधित सेंटरों की सील कब और किस आदेश से खोली गई।

जांच में सामने आ सकता है पूरा सच

मामले में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाना जरूरी है। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि सीलिंग के समय कौन-कौन सी कमियां पाई गई थीं, किस अधिकारी ने कार्रवाई की थी, सील खोलने का आदेश किसने जारी किया, सेंटर का निरीक्षण कब हुआ और वर्तमान में उसके पास कौन-कौन से वैध दस्तावेज एवं पंजीयन उपलब्ध हैं। सील खोलने की तारीख और संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होनी चाहिए।

नागरिकों का सवाल

जिस पैथालॉजी को स्वास्थ्य विभाग ने खुद नियमविरुद्ध मानकर सील किया था, वह आखिर किसके आदेश पर दोबारा खुली? यदि अनुमति नियमानुसार दी गई है तो संबंधित आदेश और दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं। यदि बिना अनुमति संचालन हो रहा है तो तत्काल कार्रवाई हो। वहीं, यदि पैसों के लेन-देन से जुड़े आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों और संचालकों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। थ्य विभाग और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

मरीजों की जांच से जुड़ा मामला, इसलिए गंभीरता जरूरी

पैथालॉजी जांच सीधे मरीज की बीमारी की पहचान और उसके उपचार से जुड़ी होती है। ऐसे में यदि कोई सेंटर बिना वैध अनुमति, आवश्यक पंजीयन या निर्धारित पात्रता के संचालित हो रहा है तो यह केवल विभागीय लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है।

एक माह तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

17 सितंबर को हर बूथ पर जलेगा आशीर्वाद का दीपक, रक्तदान शिविर समेत होंगे विविध आयोजन

नवभारत, शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा जिला शहडोल द्वारा एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। अभियान की जानकारी रविवार को अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सीधी लोकसभा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने दी। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट और सह मीडिया प्रभारी अरुण द्विवेदी मौजूद रहे।

सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प के साथ सार्वजनिक जीवन में निरंतर कार्य किया है। आगामी 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर सेवा और जनभागीदारी का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि इन योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। भारत की अर्थव्यवस्था, वैश्विक पहचान और सुरक्षा व्यवस्था में भी सुधार हुआ है।

ये होंगे कार्यक्रम

अभियान के तहत 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के माध्यम से गांव-गांव नुक्कड़ नाटक और संगीतपूर्ण प्रस्तुतियों के जरिए सेवा कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आंगन मिलन सेवा', सेवा की कहानी वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा,' सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज और' सुशासन सेवा संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हर बूथ पर जलेगा आशीर्वाद का दीपक

सांसद ने बताया कि 17 सितंबर को युवा मोर्चा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे जिले के प्रत्येक बूथ के प्रत्येक परिवार द्वारा 'आशीर्वाद का दीपक' प्रज्वलित किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने बताया कि आयोजन में अधिक से अधिक परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संगठन स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

एक नजर में

दो युवक फांसी के फंदे पर झूले

जबलपुर। गोसलपुर एवं संजीवनीनगर में दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है । गोसलपुर पुलिस के मुताबिक बाबुल कोल 21 वर्ष निवासी टिकरिया ने सूचना दी कि उसके बड़े भाई धनीराम के पुत्रा साहिल 19 वर्ष ने रोड किनारे लगे आम के पेड़ की डाल से साड़ी बांधकार फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । इसी प्रकार संजीवनीनगर पुलिस ने बताया कि चोखेलाल पटेल 35 वर्ष निवासी चपरिया मोहल्ला संजीवनी नगर ने सूचना दी कि उसके चचेरे भाई हीरालाल पटेल 42 वर्ष निवासी कुलियाना मोहल्ला शाहीनाका संजीवनी नगर ने घर में सीढ़ी के ऊपर लगी बल्ली में साड़ी बांधकर फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई । हीरालाल पटेल काफी दिनों से टीबी की बीमारी से परेशान था।

ट्रैफिक कानून तोड़ा, 86 पर कार्यवाही

जबलपुर। पुलिस ने बीते चौबीस घंटे में यातायात नियमों को तोड़ने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 86 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 27 हजार 900 रूपये समन शुल्क वसूला गया। इसके अलावा पिछले कई वर्षो से फरार 2 गैरम्यादी, 35 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 120 जमानती वारंट तामील किये गये। अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 66 व्यक्तियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 153 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 89 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी। 4 बदमाशों के खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 1 तलवार, 3 चाकू जप्त किये गये।

पंचायत परिसर से गायब हुए दो पानी के टैंकर

विधायक निधि और पंचायत मद से उपलब्ध टैंकरों का हिसाब कौन देगा

नवभारत, चुहिरी। ग्राम पंचायत सगरा में शासकीय राशि से उपलब्ध कराए गए दो पानी टैंकरों के कथित तौर पर नहीं मिलने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार एक टैंकर विधायक निधि से उपलब्ध कराया गया था, जबकि दूसरा पंचायत मद से खरीदा गया था। दोनों टैंकर वर्तमान में पंचायत परिसर में दिखाई नहीं देने से पंचायत की संपत्ति और उसके रखरखाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि दोनों पानी टैंकर ग्राम पंचायत की शासकीय संपत्ति हैं तो उन्हें कहां रखा गया है, किसके सुपुर्द किया गया और वर्तमान में उनका उपयोग कहां किया जा रहा है, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

प्रशासन से जांच और टैंकर तलाशने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में दोनों टैंकर ग्राम पंचायत की संपत्ति पाए जाते हैं और वे पंचायत के रिकॉर्ड में दर्ज होने के बावजूद मौके पर नहीं मिलते हैं, तो उनकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर टैंकरों को तलाशने तथा शासकीय संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय राशि से खरीदी गई संपत्ति का हिसाब स्पष्ट होना चाहिए और यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

सचिव के कार्यकाल को लेकर भी उठे सवाल

मामले में तत्कालीन/वर्तमान सचिव उदय सोनी के कार्यकाल को लेकर भी ग्रामीणों द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि पंचायत के स्टॉक रजिस्टर, संपत्ति रजिस्टर, खरीदी संबंधी दस्तावेज, टैंकरों की सुपुर्दगी एवं उपयोग से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जाए। साथ ही मौके पर भौतिक सत्यापन कर दोनों टैंकरों की स्थिति स्पष्ट की जाए।

गोहपारू में शांति समिति की बैठक आयोजित

आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने पर हुई चर्चा

नवभारत, गोहपारू। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को गोहपारू में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

बैठक में क्षेत्र में आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव एवं शांति बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सभी त्योहारों को मिल-जुलकर शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाना चाहिए। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करने और ऐसी स्थिति में तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को सूचना देने की अपील की गई।

एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें

बैठक में राघवेंद्र सोनी, विकास सरकार द्विवेदी, दलवीर सिंह सरपंच गोहपारू, विजय प्रताप, नरेंद्र सिंह एवं मोहम्मद हारून सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था का पालन करते हुए एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान किया जाए। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर कानून को हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को सूचना देने की बात कही गई। शांति समिति की बैठक में उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए आगामी त्योहारों को आपसी प्रेम, सद्भाव एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय शतरंज में शहडोल के सारांश तिवारी का जलवा

राष्ट्रीय स्तर पर हासिल किया चौथा स्थान

नवभारत, शहडोल। शहडोल के उभरते हुए युवा शतरंज खिलाड़ी सारांश तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) द्वारा हैदराबाद में आयोजित 55वीं केव्हीएस नेशनल स्पोट्स मीट अण्डर-19वर्ष 2026-27 की शतरंज प्रतियोगिता में सारांश ने 9 राउंड में 7 अंक अर्जित करते हुए चौथा स्थान हासिल किया।

देशभर से पहुंचे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच टॉप-4 में जगह बनाना शहडोल के लिए गौरव की उपलब्धि है। पूरे टूर्नामेंट में सारांश ने लगातार बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। अंतिम दौर तक वे पदक की दौड़ में मजबूती से बने रहे और महत्वपूर्ण मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7७ अंक हासिल किए। उनकी रणनीतिक समझ, एकाग्रता और दबाव में बेहतर प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाई।

लगातार बढ़ रहा पदकों का सिलसिला

सारांश की यह उपलब्धि अचानक नहीं आई है। वर्ष 2026 की शुरुआत में जनवरी में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। इसके बाद केंद्रीय विद्यालय रीजनल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अब ज्ञटै छंजपवदंस में टॉप-4 में स्थान बनाकर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी है।

अब दिल्ली में एसजीएफआई नेशनल की चुनौती

केव्हीएस नेशनल में शानदार प्रदर्शन के बाद सारांश को एक और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला है। वे 23 से 28 अक्टूबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित एसजीएफआई नेशनल में केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। लगातार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब उनसे आगामी प्रतियोगिता में पदक की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। सारांश तिवारी जिला न्यायालय, शहडोल में पदस्थ सरोज कुमार तिवारी के सुपुत्र हैं। कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे सारांश शहडोल के उभरते हुए प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ियों में अपनी पहचान बना रहे हैं। उनकी उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और शतरंज के प्रति समर्पण का परिणाम है।

नागपुर से बैरंग लौटी पुलिस, नहीं मिले शूटर

नवभारत,जबलपुर। हनुमानताल थाना अंतर्गत भानतलैया में चार सितम्बर की रात हुई मूर्तिकार की हत्या करने वाले शूटरों की तलाश में नागपुर गई पुलिस की टीम बैरंग वापिस जबलपुर लौट आई। रिमांड खत्म होने पर शनिवार को मद्दगार को पुन: कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

हालांकि फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है। विदित हो कि बड़ी खेरमाई हनुमानताल निवासी मनोज उर्फ बाबा सोनकर 50 वर्ष का मथुरा सेठ की बाड़ी में मूर्ति बनाने का काम करता था। चार सितम्बर की रात लगभग 11-30 बजे वह मूर्ति बना रहा था तभी वहां पर गाड़ी में रोहित मराठा एवं चिन्टू उर्फ भरत यादव पहुंचे थे। चिन्टू उर्फ भरत यादव ने रोहित से कहा कि आज बाबा को जान से खत्म कर दो तो रोहित ने अपने पास से पिस्टल निकालकर मनोज उर्फ बाबा सोनकर पर फायर कर दिया था। गोली बाबा के गर्दन में पीछे तरफ लगी थी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि मृतक मनोज के बेटों ने 31 जुलाई, 2021 को रोहित मराठा के भाई बिट्टू की चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। इस मामले में दोनों आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे है। वारदात के बाद से आरोपितों अनिकेत एवं छोटू से शुभम मराठा रंजिश रखने लगा था। भाई की मौत का बदला उसने अनिकेत एवं छोटू के पिता की हत्या करके लेने का ठाना था। मृतक बिट्टू की बहन सीनू राव ने भी पति सुब्बा राव के साथ मनोज की हत्या की योजना बनाई थी। सीसीटीव्ही फुटेज से पुलिस अहम क्लू मिले थे। पूछताछ में पता चला कि बिट्टू की बहन ने पति के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। सुपारी देकर हत्या करवाई गई थी। पुलिस ने मद्दगार सुमित को रिमांड में लेकर पूछताछ की।

सोहागपुर में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

किशोरियों का हीमोग्लोबिन परीक्षण और 'मिस हीमोग्लोबिन' सम्मान

नवभारत, शहडोल। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में जिले में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ किया गया। इस वर्ष 'हमारा आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर पोषण माह का आयोजन 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक किया जाएगा। जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम जनपद सभागार सोहागपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष फूलवती सिंह, सदस्य जिला योजना समिति अमिता चपरा एवं मनोज गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक और कर्मा नृत्य से दिया पोषण का संदेश

कार्यक्रम के दौरान पोषण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नुक्कड़ नाटक, पारंपरिक कर्मा नृत्य और पोषण आधारित गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम स्थल पर पोषण प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें पोषणयुक्त आहार और स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई।

मैडम, स्टेडियम के पीछे भी भ्रमण कर लीजिए

चार साल से नरक भोग रहे रहवासी, सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढों में भरा पानी

नवभारत, शहडोल। नगर की सड़कों और नालियों की बदहाली को लेकर नगरवासियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। नगर पालिका की ओर से लगातार साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन शहर के कई इलाकों में जमीनी तस्वीर इन दावों से बिल्कुल अलग है। स्टेडियम के पीछे का इलाका इसकी सबसे बड़ी मिसाल बनकर सामने आया है, जहां रहवासी पिछले करीब चार साल से खराब सड़क और जलभराव की समस्या झेलने को मजबूर हैं।

नगर पालिका सीएमओ आशा जितेंद्र भंडारी ने वार्ड क्रमांक 18, 31 एवं 32 का निरीक्षण कर साफ-सफाई, नालियों, सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वार्डवासियों ने अपनी समस्याएं बताते हुए सड़कों पर बने गड्ढों और नालियों की सफाई का मुद्दा उठाया। नागरिकों ने दो टूक कहा कि सड़क में इतने बड़े गड्ढे हैं कि बारिश के बाद उनमें पानी भर जाता है और सड़क तथा गड्ढे में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। स्टेडियम से डिग्री हास्टल के आस-पास के नागरिकों ने सीएमओ से आग्रह किया कि स्टेडियम के पीछे के इलाके का भी भ्रमण कर वास्तविक स्थिति देखी जाए। रहवासियों का कहना है कि पिछले चार वर्षों से सड़क की हालत खराब है।

गड्ढों में मुरुम डालकर 'इलाज', स्थायी समाधान कब?

सीएमओ ने सड़कों की स्थिति को देखते हुए संबंधित उपयंत्री शरद द्विवेदी को गड्ढों में तत्काल मुरुम डलवाकर सड़क समतल कराने के निर्देश दिए। साथ ही नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा। हालांकि रहवासियों का कहना है कि मुरुम डालना तत्काल राहत हो सकती है, लेकिन चार साल पुरानी सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं। बारिश में मुरुम बहने के बाद हालात फिर जस के तस होने की आशंका है। नागरिक अब सड़क की बाकायदा मरम्मत और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। सीएमओ ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है और नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा।

आरोप | जेसीबी से चेंबर उखाड़कर फेंके किनारे

पानी की पाइपलाइन के नाम पर सीवर चेंबरों की बलि

नवभारत, शहडोल। शहर में विकास कार्यों के नाम पर नगर पालिका की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। पुरानी बस्ती और पांडव नगर क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन डालने के लिए की जा रही खुदाई के दौरान सीवर लाइन के चेंबरों को जेसीबी से उखाड़कर किनारे फेंके जाने का मामला सामने आया है।

रहवासियों का आरोप है कि पाइपलाइन बिछाने के काम में इस तरह की लापरवाही से पहले से बनी सीवर व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों में खासा आक्रोश है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पाइपलाइन डालने के लिए जेसीबी से सड़क और आसपास के हिस्से में खुदाई की जा रही है। इसी दौरान सीवर लाइन के चेंबर भी मशीन की चपेट में आ रहे हैं। कुछ चेंबरों को उखाड़कर सड़क किनारे छोड़ दिए जाने की बात सामने आई है। सवाल यह है कि क्या खुदाई शुरू करने से पहले मौके पर मौजूद भूमिगत पाइपलाइन और सीवर नेटवर्क की जानकारी ली गई थी, यदि जानकारी थी तो फिर सीवर चेंबरों को नुकसान पहुंचने से रोकने के लिए आवश्यक सावधानी क्यों नहीं बरती गई।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई जरूरी

अब सवाल सिर्फ चेंबर उखाड़े जाने का नहीं, बल्कि नगर पालिका की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था का है। यदि काम नियमानुसार हो रहा है तो नगर पालिका को स्पष्ट करना चाहिए कि सीवर चेंबर क्यों हटाए गए, किसकी अनुमति से हटाए गए और उनकी पुनर्स्थापना कब तक होगी। वहीं यदि बिना उचित तकनीकी योजना के यह काम कराया जा रहा है तो संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई होना जरूरी है। विकास के नाम पर एक सुविधा खड़ी करने के लिए दूसरी व्यवस्था को उजाड़ना आखिर किस नियम का हिस्सा है।

एक काम के लिए दूसरे काम की व्यवस्था चौपट

रहवासियों का कहना है कि शहर में पानी की पाइपलाइन डालना जरूरी हो सकता है, लेकिन इसके लिए पहले से मौजूद सीवर व्यवस्था को नुकसान पहुंचाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। यदि चेंबर क्षतिग्रस्त होते हैं या उन्हें हटाया गया है तो उनकी दोबारा मरम्मत और निर्धारित स्थान पर स्थापना की जिम्मेदारी किसकी होगी, यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी आखिर मौके पर क्या निगरानी कर रहे हैं? ठेकेदार और जेसीबी संचालक अपनी सुविधा के अनुसार खुदाई कर रहे हैं या काम के लिए कोई तकनीकी कार्ययोजना भी बनाई गई है।

जिम्मेदारों पर कार्यवाही की मांग

सीवर चेंबरों के क्षतिग्रस्त होने या खुले छोड़ दिए जाने से भविष्य में जल निकासी की समस्या पैदा होने की आशंका भी जताई जा रही है। बारिश के दौरान गंदे पानी के फैलाव, सड़क धंसने और आवागमन प्रभावित होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। खुले अथवा क्षतिग्रस्त चेंबर दुर्घटना का कारण भी बन सकते हैं। रहवासियों ने नगर पालिका के अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त सीवर चेंबरों की स्थिति स्पष्ट करने और उन्हें तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है। साथ ही यह भी पूछा है कि पाइपलाइन बिछाने के काम के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की जिम्मेदारी किसकी तय होगी।

किसानों की योजनाओं में सुस्ती पर कलेक्टर सख्त

पशु चिकित्सा उप संचालक को नोटिस, मृदा परीक्षण और किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्य पूरे करने के निर्देश

नवभारत, शहडोल। जिले में कृषि, पशुपालन और मत्स्यपालन से जुड़ी योजनाओं की धीमी रफ्तार पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य, सहकारिता और मत्स्यपालन विभाग की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने मृदा परीक्षण के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने तथा किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि आधारित योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समय पर पहुंचना चाहिए और लक्ष्य पूर्ति में किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान की धीमी गति पर कार्रवाई

पशु चिकित्सा विभाग की समीक्षा के दौरान एफएमडी टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित लक्ष्यों की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा।एफएमडी टीकाकरण पशुधन को गंभीर संक्रामक बीमारी से बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में टीकाकरण की धीमी रफ्तार को लेकर कलेक्टर का सख्त रुख विभागीय अमले के लिए स्पष्ट चेतावनी माना जा रहा है।

मत्स्य और सहकारिता विभाग को भी दिए निर्देश

मत्स्यपालन विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने फिश पार्लर निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करते हुए प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मछुआ कृषकों के किसान क्रेडिट कार्ड के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को कृषि, पशुपालन एवं मत्स्यपालन विभागों द्वारा तैयार किए गए किसान क्रेडिट कार्ड के प्रकरणों को प्राथमिकता से स्वीकृत करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को ऋण सुविधा का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, एसडीएम काजोल सिंह व अर्चना मिश्रा, वनमंडलाधिकारी श्रद्धा पेंद्रे व तरुणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह व मिनीषा पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे व एंटोनिया एक्का सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।